सरिस्का टाइगर रिज़र्व से बाहर निकला बाघ

चर्चा में क्यों?

माना जा रहा है कि **राजस्थान के** सरिस्का टाइगर रिज़र्व से भटककर आया एक नर बाघ **हरियाणा के रेवाड़ी में मसानी बैराज** के पास एक गाँव में देखा गया है।

- बाघ की पहचान **ST-2302** के रूप में की गई है।

मुख्य बिंदु:

हरियाणा और राजस्थान की वन तथा वन्यजीव **टीम मिलकर तीन वर्ष के बाघ पर नज़र रख रही हैं।**

स्थिति की निगरानी करते हुए, **अधिकारी** बाघ के मानव-आवासीय क्षेत्रों में प्रवेश करने की स्थिति में **किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिये सावधानी बरत रहे हैं।**

सरिस्का टाइगर रिज़र्व

- सरिस्का टाइगर रिज़र्व **अरावली पहाड़ियों** में स्थित है और राजस्थान के अलवर ज़िले का एक हिस्सा है।
- सरिस्का को **वर्ष 1955 में एक वन्यजीव अभयारण्य घोषित किया गया था और बाद में वर्ष 1978 में इसे बाघ अभयारण्य घोषित किया गया** , जिससे यह भारत के **प्रोजेक्ट टाइगर** का हिस्सा बन गया।
- **कंकरवाड़ी किला रिज़र्व के केंद्र में स्थित है** और कहा जाता है कि मुगल बादशाह औरंगज़ेब ने अपने भाई दारा शिकोह को सिंहासन के उत्तराधिकार के संघर्ष में इस किले में कैद कर लिया था।

नोट:

- **कालेसर राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभयारण्य**:
  - यह शिवालिक तलहटी पर स्थित है। यह राजाजी राष्ट्रीय उद्यान (उत्तराखंड) और सिंबलबारा राष्ट्रीय उद्यान (हिमाचल प्रदेश) से सटा हुआ है।
- **सुल्तानपुर राष्ट्रीय उद्यान:**
  - यह गुरुग्राम से 15 किमी. दूर स्थित एक रामसर साइट है।
  - यह पार्क प्रवासी पक्षियों के लिये प्रसिद्ध है।
- **भिंडावास वन्यजीव अभयारण्य:**
  - यह मानव निर्मित मीठे जल की आर्द्रभूमि है।
- **हरियाणा के अन्य वन्यजीव अभयारण्य:**
  - मोरनी हिल्स (खोल-हाय-रायतान) वन्यजीव अभयारण्य और बीर शिकारगढ़ वन्यजीव अभयारण्य शिवालिक पहाड़ियों में स्थित है।
  - छिलछिला झील वन्यजीव अभयारण्य (सियोंथी रिज़र्व वन) कुरुक्षेत्र ज़िले में।
  - झज्जर ज़िले में खापरवास वन्यजीव अभयारण्य।

बाघ

रॉयल बंगाल टाइगर (Panthera Tigris) भारत का राष्ट्रीय पशु है।

बाघ की उप प्रजातियाँ

- महाद्वीपीय (पैंथेरा टाइग्रिस टाइग्रिस)
- सुंडा (पैंथेरा टाइग्रिस सोंडाइका)

प्राकृतिक अधिवास

उष्णकटिबंधीय वर्षावन, सदाबहार वन, समशीतोष्ण वन, मैंग्रोव दलदल, घास के मैदान और सवाना

देश जहाँ बाघ पाए जाते हैं

- 13 बाघ रेंज देश जहाँ यह प्राक्रतिक रूप से पाए जाते हैं उनमें- भारत, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, म्याँमार, रूस, चीन, थाईलैंड, मलेशिया, इंडोनेशिया, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम शामिल हैं।
- IUCN की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम में बाघ विलुप्त हो गए हैं।

संरक्षण की स्थिति

- IUCN रेड लिस्ट: लुप्तप्राय
- CITES : परिशिष्ट-I
- WPA 1972 : अनुसूची-I

खतरे

- आवास विखंडन
- अवैध शिकार
- मानव-वन्यजीव संघर्ष

संरक्षण संबंधी प्रयास

- इंटरनेशनल बिग कैट्स एलायंस (IBCA): बाघ, शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, चीता, जैगुआर और प्यूमा नामक सात बड़ी बिल्लियों के संरक्षण के लिये (भारत द्वारा शुरू)
- Tx2 अभियान: WWF द्वारा आरंभ किया गया; 2022 तक बाघों की आबादी को दोगुना करने के लक्ष्य को इंगित करते हुए 'टाइगर टाइम्स 2' को संदर्भित करता था
- राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA): WPA, 1972 के तहत गठित
- प्रोजेक्ट टाइगर : 1973 में लॉन्च किया गया
- बाघों की गणना : प्रत्येक 5 वर्ष में

भारत में बाघ

- भारत में इनकी संख्या सबसे अधिक है
  - वर्ष 2022 तक, भारत में बाघों की संख्या 3167 थी
  - मध्य भारतीय उच्च भूमि और पूर्वी घाट में इनकी सबसे बड़ी आबादी पाई गई है
- टाइगर रिजर्व: भारत में अब 53 टाइगर रिज़र्व हैं
  - नवीनतम टाइगर रिज़र्व उत्तर प्रदेश का रानीपुर है
  - नागार्जुन सागर (आंध्र प्रदेश) सबसे बड़ा टाइगर रिज़र्व है जबकि ओरंग (असम) सबसे छोटा (कोर क्षेत्र) है।

Drishti IAS

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/sariska-tiger-roaming-in-haryana